कक्षा : छठी	**विषय : हिंदी**	व्याकरण : वर्ण–विचार, वर्ण–विच्छेद
माह : मई		दिवस : १३, १४ एवं १५

वर्ण–विचार

मौखिक भाषा की मूल ध्वनियों को व्यक्त करने वाले चिह्न वर्ण कहलाते हैं।

परिभाषा– वह छोटी–सी–छोटी ध्वनि या मुँह से निकली आवाज़, जिसके और टुकड़े ना किए जा सकें, उसे वर्ण कहते हैं।

जिस रूप में हम वर्ण को लिखते हैं, उसे अक्षर भी कहा जाता है; जैसे – अ, क्/क आदि।

हिंदी में ५२ वर्ण हैं, जिनका प्रयोग हम देवनागरी लिपि में करते हैं।

वर्णमाला

वर्णों के व्यवस्थित और क्रमबद्ध समूह को वर्णमाला कहते हैं।

उच्चारण और प्रयोग के आधार पर हिंदी वर्णमाला के दो भेद किए गए हैं:

1.स्वर

2. व्यंजन

स्वर

जिन वर्णो का उच्चारण करते हुए किसी अन्य वर्ण की सहायता नहीं लेनी होती, उन्हें स्वर वर्ण कहते हैं।

हिंदी में ग्यारह स्वर हैं– अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ

स्वर के दो भेद हैं–

- ह्रस्व स्वर
- दीर्घ स्वर

ह्रस्व स्वर – इनके उच्चारण में कम समय लगता है। अ, इ, उ, ऋ– ये ह्रस्व स्वर के उदाहरण हैं। इन्हें मूल स्वर भी कहते हैं।

दीर्घ स्वर– इनके उच्चारण में मूल स्वरों की तुलना में दोगुना समय लगता है। आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ दीर्घ स्वर हैं।

मात्रा

स्वर जब व्यंजनों के साथ मिलाकर लिखे जाते हैं, तब उन्हें पूरा ना लिखकर केवल उनकी मात्रा ही लिखी जाती है।

'अ' स्वर की कोई मात्रा नहीं होती।

अयोगवाह

अं और अः को अयोगवाह कहते हैं, इन्हें स्वरों और व्यंजनों से अलग रखा जाता है।

अनुस्वार एवं अनुनासिक

अनुस्वार के उच्चारण में हवा नाक से निकलती है, जबकि अनुनासिक के उच्चारण में हवा नाक और मुँह दोनों से निकलती है।

व्यंजन

जिन वर्णों का उच्चारण करते समय स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है, उन्हें व्यंजन वर्ण कहते हैं।

क् से लेकर श्र तक सभी व्यंजनों को तीन भागों में बाँटा गया है–

स्पर्श व्यजंन– कवर्ग, चवर्ग, टवर्ग, तवर्ग और पवर्ग

अंतःस्थ व्यंजन– य् ,र्, ल्, व्

उष्म व्यंजन– श्, ष्, स, ह

क्ष, त्र, ज्ञ और **श्र संयुक्त व्यंजन** हैं, ये दो भिन्न व्यंजनों के मेल से बनते हैं।

क्ष– क्+ष्+अ

त्र– त्+र्+अ

ज्ञ– ज्+ञ्+अ

श्र– श्+र्+अ

द्वित्व व्यंजन– जब एक व्यंजन ध्वनि अपने समान अन्य व्यंजन ध्वनि से संयुक्त होती है, तो उसे द्वित्व व्यंजन कहते हैं; जैसे–

क्+क= क्क (पक्का)

च्+च= (सच्चा)

ज्+ज= (सज्जन)

म्+म=(सम्मान)

ब्+ब=(डिब्बा)

कार्य–प्रपत्र

अभ्यास प्रश्न

दिए गए प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए–

1. वर्ण किसे कहते हैं?

_____

_____

2. वर्णमाला में कुल कितने वर्ण होते हैं?

_____

3. स्वर के कितने भेद होते हैं? नाम लिखिए।

_____

4. अनुस्वार और अनुनासिक के उच्चारण में क्या अंतर है?

——

——

——

5. संयुक्त व्यंजन और द्वित्व व्यंजन में क्या अंतर है?

——

——

——

6. दीर्घ स्वर कौन–कौन से हैं? नाम लिखिए।

——

——

7. निम्नलिखित शब्दों में से संयुक्त व्यंजन और द्वित्व व्यंजन वाले शब्दों को अलग–अलग छाँटकर लिखिए।

विज्ञान, चम्मच, पट्टी, शास्त्र, ज्ञाता, सज्जन, टक्कर, अस्त्र, क्षत्रिय, बच्चा, श्रम, उज्ज्वल

संयुक्त व्यंजन– ....

द्वित्व व्यंजन–..

8. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

क. मूल स्वरों की कुल संख्या ——— है।

ख. स्पर्श व्यंजनों की कुल संख्या———— है।

ग. दो भिन्न व्यंजनों के परस्पर संयोग को —————— कहते हैं।

——

——

वर्ण–विच्छेद

वर्णों के मेल से शब्द बनते हैं, जब शब्दों में प्रयुक्त वर्णों को अलग–अलग करके लिखा जाता है, उसे वर्ण–विच्छेद कहते हैं।

किसी भी शब्द के वर्णों को अलग–अलग कर लिखना वर्ण–विच्छेद कहलाता है।

वर्ण–विच्छेद करते समय स्वर रहित व्यंजन तथा स्वरों को अलग करके लिखा जाता है।

रोचक तथ्य

क्या आप जानते हैं कि जितने अक्षर वाले शब्द होते हैं उनका वर्ण–विच्छेद उन वर्णों/अक्षरों का प्रायः दुगना होता है। विश्वास नहीं हो रहा है ना, कोई बात नहीं, उदाहरण देख लेते हैं। जैसे – **मोर** और **पूजा** दो अक्षर वाले शब्द हैं।

क) म् + ओ + र् + अ

ख) प् + ऊ + ज् + आ (दो का चार)

कृष्ण और **पुष्प** ढाई अक्षर वाले शब्द हैं।

क) क + ऋ + ष् + ण् + अ

ख) प् + उ + ष् + प् + अ (ढाई का पाँच)

कमल और **समूह** तीन अक्षर वाले शब्द हैं।

क) क् + अ + म् + अ + ल् + अ

ख) स् + अ + म् + ऊ + ह् + अ (तीन का छह)

कलाकार और **सदाचार** चार अक्षर वाले शब्द हैं।

क) क् + अ + ल् + आ + क् + आ + र् + अ

ख) स् + अ + द् + आ + च् + आ + र् + अ (चार का आठ)

आइए, अब आप भी कोशिश कीजिए।

1. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण–विच्छेद कीजिए।

क) पराया : .....

ख) सुंदर : .....

ग) कबीर : .....

घ) विद्यालय : .....

ङ) परिश्रम : .....

च) परमेश्वर : .....

2. इन वर्णों से बननेवाले शब्द लिखिए।

क) न् + आ + ग् + अ + र् + इ + क् + अ : .....

ख) स् + व् + आ + ग् + अ + त् + अ : .....

ग) च् + अ + र् + अ + ख् + आ : .....

घ) ग् + ओ + ध् + ऊ + ल् + इ : .....

ङ) द् + उ + ब् + अ + ल् + आ : .....

च) व् + इ + द् + य् + आ + र् + थ् + ई : .....

3. क्ष , त्र , ज्ञ , श्र ..... ये संयुक्ताक्षर हैं। ये जब भी शब्दों में शामिल होते हैं , इनका वर्ण–विच्छेद निम्नलिखित रूप में होता है।

क) क्षमा : क् + ष् + अ + म् + आ

ख) त्रिनेत्र : त् + र् + इ + न् + ए + त् + र् + अ

ग) ज्ञात : ज् + ञ् + आ + त् + अ

घ) श्रोता : श् + र् + ओ + त् + आ